

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे
भारतीयविद्या पारंगत (एम्.ए.) – (सत्र पद्धतीः नियमित)
परीक्षा: डिसेंबर – २०२३
तिसरे सत्र
विषय: – भारतीय पुराभिलेखविद्या (19R1332)

19R

दिनांक: ०६/१२/२०२३

गुणः ६०

वेळ: स. १०.०० ते १२.३०

सूचना :- (१) सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत. (२) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात.

- | | | | |
|-------------|---|---------------|--|
| प्र. १. | सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही तीन) | | |
| १. | भारतीय इतिहासाच्या पुनर्रचनेत पुरभिलेखविद्येचे महत्त्व स्पष्ट करा. | | |
| २. | प्राचीन भारतातील लेखन साहित्यावर सविस्तर टीप लिहा. | | |
| ३. | सम्राट अशोक याच्या गिरनार येथील लेखांचा थोडक्यात आढावा घ्या. | | |
| ४. | ऐहोले प्रशस्तीवर सविस्तर टीप लिहा. | | |
| ५. | समुद्रगुप्त प्रशस्तीची माहिती लिहा. | | |
| प्र. २. | टीपा लिहा. (कोणतेही तीन) | | |
| १. | खारवेलाचा लेख | | |
| २. | नाणेघाट येथील लेख | | |
| ३. | धम्मलिपी हा शब्द ब्राह्मीत लिहून त्यावर टीप लिहा. | | |
| ४. | वचिगुति - हा शब्द ब्राह्मीत लिहून त्यावर टीप लिहा. | | |
| ५. | समाज - हा शब्द ब्राह्मीत लिहून त्यावर टीप लिहा. | | |
| प्र. ३. | रिकाम्या जागा भरा./एका वाक्यात उत्तरे लिहा. | | |
| १. | जुनागढ येथील रुद्रदामनाच्या लेखातील संदर्भानुसार ----- याने धरणाची दुर्स्ती पूर्ण केली. | | |
| अ) तुषास्फ | | ब) कुलैप | |
| क) सुविशाख | | ड) स्कंदगुप्त | |
| २. | ऐहोले प्रशस्ती ----- या मंदिगावर आहे. | | |
| अ) मेगुती | | ब) लाडखान | |
| क) दुर्गा | | ड) विरूपाक्ष | |
| ३. | ब्राह्मी लिपी ----- मध्ये वाचली गेली. | | |
| अ) १६३० | | ब) १७३४ | |
| क) १८३२ | | ड) १८३७ | |
| ४. | नाशिक येथील नहपानाचा म्हणून ओळखला जाणारा लेख खरे तर ----- चा आहे. | | |
| अ) सातकर्णी | | ब) उषवदात | |
| क) सुविशाख | | ड) चष्टन | |
| ५. | अशोकाने भेरिघोष बंद करून ----- सुरू केला. | | |
| अ) प्रवचने | | ब) कीर्तन | |
| क) धम्मघोष | | ड) नृत्य | |
| ६. | गिरनार येथे अशोकाचे ----- लेख आहेत. | | |
| अ) ११ | | ब) १२ | |
| क) १३ | | ड) १४ | |